The Samaja

'The Samaja', a widely circulated and read Odia daily, was founded in 1919 by Gopabandhu Das (1877-1928); a visionary and freedom fighter. He was a symbol of Odia identity popularly known as Utkalmani and devoted his entire life to the cause of Odisha in particular and India in general. The environment of his time was marked by the awakening of nationalist forces in Odisha, the introduction of western education and the rise of Indian Renaissance.

As an educationist, Gopabandhu realised that without education, people would not be conscious of their freedom and duty towards the nation. He was greatly influenced by the work of the Deccan Education Society under the leadership of Gopal Krishna Gokhale. As a result, a school was established at Satyabadi in the district of Puri. Gopabandhu became the Secretary of that school.

The Odia weekly which he started and edited viz. 'The Samaja' was the means to propagate his ideas and create awareness among the masses. He emphasised on four major problems, viz. amalgamation of all the Odia speaking tracts; permanent measures for the prevention of floods and famines in Odisha; the restoration of Odia's right to manufacture salt free from excise duty; and spread of education on Satyabadi model. He brought Gandhiji to Odisha in 1921 to further the cause of Non-Cooperation Movement. He was arrested by the police in 1921 and imprisoned. He was released from Hazaribagh jail on 26 June, 1924. Subhash Chandra Bose rightly called him the father of the national movement in Odisha.

Today, the Odia daily 'The Samaja' continues to be a powerful medium to carry unbiased and independent news to every nook and corner of the state. It was initially published from Cuttack and now it has multiple editions being published from Cuttack, Bhubaneswar, Sambalpur, Rourkela, Balasore and Berhampur in Odisha apart from Visakhapatnam in Andhra Pradesh and Kolkata in West Bengal.

Over the years, it has slowly transformed itself into an institution. In the annals of the post-Independence era, the role of 'The Samaja' has been instrumental in contributing to the nation-building process. Now, it has a readership of around Sixteen Lakh having a daily circulation of nearing Three Lakh Fifty Thousand.

'The Samaja', is owned and managed by 'Servants of the People Society' (Lok Sevak Mandal), New Delhi, a trust founded by Punjab Kesari, Lala Lajpat Rai. The association of many a luminary in the course of time has enriched 'The Samaja'. The profound and enormous contribution of Punjab Kesari Lala Lajpat Rai, Utkalmani Pandit Gopabandhu Das, Rajarshi Purushottam Das Tandon, Sri Balwant Rai Mehta, the former Prime Minister of India Sri Lal Bahadur Shastri, former Vice-President of India Shri Krishna Kant, former Chief Minister of Odisha Shri Biswanath Dash, Padma Bhushan Dr. Radhanath Rath has enabled the newspaper to leave an indelible imprint on the psyche of every Odia as the 'Newspaper of the populace'.

Apart from disseminating news, 'The Samaja' is committed to several social causes. The 'Samaj Relief Committee' has been the social face of 'The Samaja' over the years. The objective has always been the welfare of the people of Odisha be it their health, education or relief during natural calamities. 'The Samaja' reaches every doorstep through its relief work as a tribute to its founder. 'The Samaja' has established a 100-bed hospital known as Gopabandhu Institute of Medical Science and Research at Madhabpur under Athgarh subdivision of Cuttack district to provide health services to the poor and distressed. Scholarship is being provided to encourage talented students to carry out their academic ambitions.

Department of Posts is pleased to release a Commemorative Postage Stamp on 'The Samaja', to mark its centenary.

Credits:

Stamp/ FDC/ Brochure	: Sh. Brahm Prakash
Cancellation Cachet	: Smt. Nenu Gupta
Text	: Based on information received from the proponent

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

समाज THE SAMAJA
1919-2019

विवरणिका BROCHURE

समाज

'समाज' व्यापक रूप से पढ़ा जाने वाला उड़िया का दैनिक समाचार–पत्र है, जिसकी स्थापना गोपबंधु दास (1877–1928) ने 1919 में की। श्री गोपबंधुदास एक महान द्रष्टा व स्वतंत्रता सेनानी थे। वे उड़िया स्वाभिमान के प्रतीक थे और उत्कलमणि के नाम से लोकप्रिय थे। श्री गोपबंधु दास ने अपना संपूर्ण जीवन उड़ीसा के साथ–साथ समस्त भारत के कल्याण के प्रति समर्पित किया। उनका दौर, उड़ीसा में राष्ट्रवादी शक्तियों के उभरने और पश्चिमी शिक्षण शैली की शुरुआत तथा भारतीय पुनर्जागरण काल के उत्थान का दौर था।

शिक्षाविद् होने के नाते, श्री गोपबंधु दास ने यह अनुभव किया कि शिक्षा के बिना लोगों में स्वतंत्रता पाने की भावना और देश के प्रति दायित्व बोध जागृत नहीं होगा। वे, गोपाल कृष्ण गोखले के नेतृत्व में संचालित 'दक्कन शिक्षा समाज' (डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी) के प्रयासों से काफी प्रभावित थे। इसी का परिणाम था कि पुरी जिले के सत्यवादी में एक स्कूल की स्थापना की गई और गोपबंधु इस स्कूल के सचिव बने।

उड़िया साप्ताहिक 'समाज', जिसके वे संस्थापक एवं संपादक थे, जनमानस में उनकी विचारधारा के बीज बोने और जागरूकता फैलाने का माध्यम था। श्री गोपबंधु दास ने चार मुख्य बातों पर ध्यान केंद्रित किया, जिनमें उड़िया–भाषी समाज को एकजुट करना, उड़ीसा को बाढ़ तथा अकाल से मुक्त बनाने के स्थायी उपाय करना, उड़िया लोगों को कर मुक्त नमक बनाने का अधिकार वापस दिलाना और सत्यवादी मॉडल पर आधारित शिक्षा का प्रचार–प्रसार करना शामिल था। असहयोग आंदोलन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1921 में उन्होंने गांधीजी को उड़ीसा आमंत्रित किया। इसी वर्ष श्री गोपबंधु दास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और जेल में डाल दिया। 26 जून, 1924 को हजारीबाग जेल से उनकी रिहाई हुई। उपयुक्त ही था कि सुभाषचंद्र बोस ने श्री गोपबंधु दास को उड़ीसा के राष्ट्रवादी आंदोलन के जनक की संज्ञा दी।

उड़िया दैनिक समाचार–पत्र 'समाज' आज राज्य के कोने–कोने में निष्पक्ष और स्वतंत्र समाचार पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। शुरुआत में इसका प्रकाशन कटक से होता था। परंतु, आज यह उड़ीसा में कटक, भुवनेश्वर, सम्बलपुर, राउरकेला, बालासोर और बेरहामपुर के अतिरिक्त आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम और पश्चिम बंगाल में कोलकाता से भी प्रकाशित होता है।

विगत वर्षों के दौरान यह समाचार–पत्र एक सशक्त संस्था का रूप ले चुका है। स्वातंत्र्योत्तर युग के इतिहास में राष्ट्र निर्माण की महती प्रक्रिया में 'समाज' का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वर्तमान में इस समाचार–पत्र की पाठक संख्या लगभग 16 लाख और इसका दैनिक सर्कुलेशन लगभग 3.5 लाख है।

'समाज' का स्वामित्व और प्रबंधन कार्य 'लोक सेवक मंडल, नई दिल्ली' नामक ट्रस्ट द्वारा संचालित होता है, जिसकी स्थापना पंजाब केसरी, लाला लाजपत राय ने की थी। समाज समाचार–पत्र के साथ अनेक महान विभूतियों का जुड़ाव रहा, जिन्होंने इसे उतरोत्तर सुदृढ़ बनाया। पंजाब केसरी लाला लाजपत राय, उत्कलमणि पंडित गोपबंधु दास, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन, श्री बलवंत राय मेहता, पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व उप राष्ट्रपति श्री कृष्ण कांत, उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विश्वनाथ दास, पद्म भूषण डॉ. राधानाथ रथ जैसी प्रख्यात विभूतियों के अमूल्य योगदान ने 'समाज' को प्रत्येक उड़िया भाषा–भाषी के मन–मस्तिष्क पर अमिट छाप छोड़ने वाले 'आमजन के अखबार' के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है।

समाचारों के प्रचार–प्रसार के साथ–साथ 'समाज' अनेक सामाजिक सरोकारों के प्रति भी प्रतिबद्ध रहा है। विगत वर्षों के दौरान 'समाज राहत समिति', इस समाचार–पत्र के समाजसेवी अंग की भूमिका निभा रही है। इस समिति का उद्देश्य उड़ीसा के लोगों का कल्याण है, भले ही वह स्वास्थ्य का क्षेत्र हो या प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत पहुंचाने का। अपने संस्थापक के प्रति श्रद्धांजलि के भाव के साथ 'समाज' हर जरूरतमंद के द्वार पर राहत पहुंचाता है। इस समाचार–पत्र ने 100 बिस्तर वाले एक अस्पताल की भी स्थापना की है। कटक जिले के अंतर्गत अठगढ़ उप डिवीजन में माधवपुर स्थित गोपबंधु चिकित्सा विज्ञान एवं संस्थान नामक इस अस्पताल का उद्देश्य गरीबों एवं असहाय लोगों को चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराना है। मेधावी छात्रों को अपने अकादमिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करने के प्रयोजन से छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जा रही हैं।

डाक विभाग, 'समाज' समाचार–पत्र की शताब्दी के उपलक्ष्य में स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:–

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका : श्री ब्रह्म प्रकाश

विरूपण कैशे : श्रीमती नीनू गुप्ता

पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त सूचना पर आधारित

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसे
Denomination	:	500p
मुद्रित डाक-टिकटें	:	406450
Stamps Printed	:	406450
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य: ₹ 5.00